परिशिष्ट

कनान की सीमा से जुड़े हुए स्थान
(34:1-12)

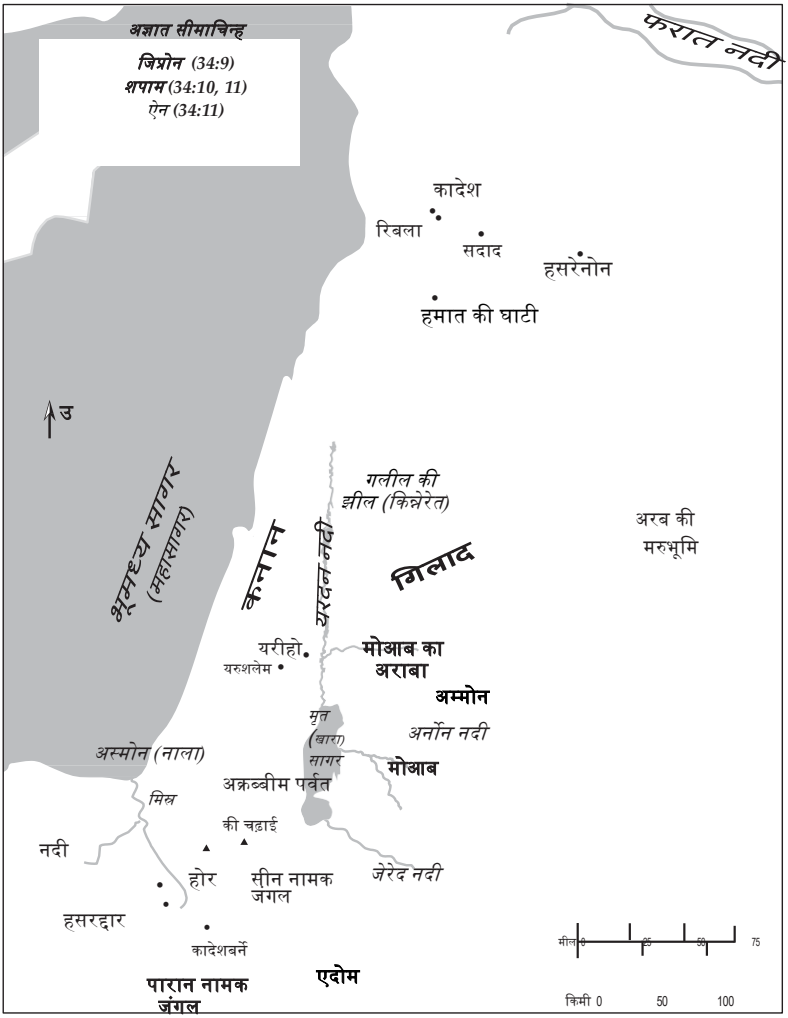

मिस्र से कनान तक इस्राएलियों की यात्राएँ

मिस्र से सिनई तक

निर्गमन 12:37, 40	चार सौ तीस वर्ष के पश्चात इस्राएलियों का मिस्र से कूच करना।
निर्गमन 14:26–31	समुद्र के बीच में से छुटकारा।
निर्गमन 15:22–25	शूर नामक जंगल में; खारा पानी मीठा बना दिया गया।
निर्गमन 16	मन्ना और बटेरें उपलब्ध करवाई गईं।
निर्गमन 17:1–13	रपीदीम में अमालेकियों के हाथों इस्राएल की हार। हारून और हूर के द्वारा मूसा के हाथों को ऊपर की ओर सँभाले रहना।
निर्गमन 18	यित्रो का इस्राएल से भेंट करना; न्यायिक अधिकार सौंपना।

सिनई पर्वत पर

निर्गमन 19	तीसरे महीने में: सिनई नामक जंगल में पहुँचना; वाचा स्थापित किया जाना।
निर्गमन 20—23	व्यवस्था का दिया जाना: "वाचा की नियमावली।"
निर्गमन 24:1–8	लहू के साथ वाचा को दृढ़ किया जाना।
निर्गमन 31	निवासस्थान के निर्माण के लिए मज़दूर नियुक्त किए गए।
निर्गमन 32	पाप: सोने के बछड़े को पूजना।
निर्गमन 35:4—39:42	निवासस्थान का निर्माण कर लिया गया और याजकीय वस्त्र तैयार किए गए।
निर्गमन 40:17	पहला दिन, पहला महीना, दूसरा वर्ष: वासस्थान का काम पूरा कर लिया गया और वह परमेश्वर की महिमा से भर गया (40:34)।
लैव्यव्यवस्था	सिनई पर बिताए वर्ष के समय दी गई व्यवस्था लैव्यव्यवस्था में पाई गई।
लैव्यव्यवस्था 8—10	याजकपद का शुद्धिकरण; बलिदान का चढ़ाया ना; नादाब और अबीहू का पाप।
लैव्यव्यवस्था 24:10–23	ईश्वर-निन्दक की मृत्यु।
गिनती 1:1—4:49	पहला दिन, दूसरा महीना, दूसरा वर्ष: जनगणना की गई।
गिनती 7:2–88	निवासस्थान का काम पूरा होने के बाद विभिन्न गोत्रों के द्वारा इसके लिए की गई बलियाँ।

गिनती 10:11, 12	बीसवाँ दिन, दूसरा महीना, दूसरा वर्ष: लोगों के द्वारा सिनई से कूच करना।
सिनई से कादेश तक	
गिनती 11:1–3	लोगों की शिकायतें और दण्ड।
गिनती 11:4–35	लोगों की बुड़बुड़ाहट; परमेश्वर के द्वारा बटेरों का प्रबन्ध; महामारी।
गिनती 12:1–15	मरियम और हारून का विद्रोह।
38 वर्षों तक कादेश के निकट जंगल में	
गिनती 12:16—13:33	पारान नामक जंगल में इस्राएल का छावनी किए रहना; वहाँ से भेदिये भेजे गए; भेदिये कादेश में पारान को लौट आए (13:26) और उनके द्वारा दी गई बुरी जानकारी।
गिनती 14:1–35	लोगों की बुड़बुड़ाहट और परमेश्वर की घोषणा कि (यहोशू और कालेब को छोड़कर) बीस और उससे ऊपर की आयु के लोग जंगल में मर जाएँगे।
गिनती 14:39–45	अमालेकियों और कनानियों के हाथों इस्राएल की हार।
गिनती 15:32–36	सब्त का उल्लंघन करने के लिए एक मनुष्य पत्थरवाह किया गया।
गिनती 16:1–50	कोरह, दातान और अबीराम का बलवा और उनकी मृत्यु।
गिनती 17:1–11	अगुवाई करने के लिए मूसा और हारून के अधिकार के प्रति परमेश्वर की गवाई।
गिनती 20:1	सीन नामक जंगल में कादेश के निकट, चालीसवें वर्ष का पहला महीना: मरियम की मृत्यु।
गिनती 20:2–13	लोगों के लिए पानी; मूसा का पाप।
व्यवस्थाविवरण 1:46	अनेक दिनों तक कादेश में।
व्यवस्थाविवरण 2:1–3, 14	जंगल में जाना; उत्तर की ओर मुड़ने के लिए परमेश्वर की आज्ञा से पहले "अनेक दिनों तक" सेईर के पहाड़ी देश के चारों ओर रुके रहना; जेरेद नामक नाला (गिनती 21:10–12) पार करने से पहले अड़तीस वर्षों तक जंगल में भटकने के लिए कादेश छोड़ना।
मोआब के अराबा की ओर	
गिनती 20:14–21	एदोम से होकर जाने के लिए इस्राएल को मार्ग नहीं दिया गया।

गिनती 20:22–29	कादेश से होर पर्वत की ओर; हारून की मृत्यु।
गिनती 21:1–3	नेगेव में अराद के राजा की इस्राएल के द्वारा पराजय।
गिनती 21:4–9	बुड़बुड़ाने वाले लोगों को साँपों ने डस लिया।
गिनती 21:21–35	सीहोन और ओग पराजित कर दिए गए; इस्राएल के द्वारा उनकी भूमि ले लेना (21:31, 32)।
मोआब के अराबा में	
गिनती 22—24	मोआब के अराबा में इस्राएल (22:1): इस्राएल के द्वारा मोआब और मिद्यान का सामना किया गया; बालाक, बिलाम।
गिनती 25:1–5	शित्तीम में: पाप के कारण लोग मार डाले गए।
गिनती 25:6–18	इस्राएली पुरुष और मिद्यानी स्त्री मार डाली गई; इस्राएल को आज्ञा दी गई कि वह मिद्यानियों के प्रति विरोध रखें।
गिनती 26:1–51	दूसरी जनगणना की गई।
गिनती 27	सलोफाद की बेटियों का मामला; मूसा के स्थान पर यहोशू चुना गया।
गिनती 31	मिद्यानियों का विनाश।
गिनती 32	यर्दन नदी की पूर्व दिशा की ओर कुछ इस्राएलियों का बसाव।
गिनती 33:1–40	इस्राएलियों की यात्रा का सारांश (देखें 33:38)।
गिनती 33:50–56	इस्राएल को आज्ञा दी गई कि वह कनानियों को उनके देश से निकाल दे।
व्यवस्थाविवरण 3:27, 29	इस्राएल बेतपोर के सामने छावनी किए रहा: मूसा को स्वीकृति दी गई कि वह वायदे के देश को देख सके परन्तु प्रवेश की स्वीकृति नहीं मिली।
व्यवस्थाविवरण	व्यवस्था दोहराते हुए और वायदे के देश में व्यवस्था का पालन करने के लिए लोगों को उत्साहित करते हुए मूसा के द्वारा इस्राएल को भाषण दिए गए।
व्यवस्थाविवरण 34	मूसा की मृत्यु।
कनान में प्रवेश	
यहोशू 1—3	विस्तृत तैयारियों के बाद, यहोशू की अगुवाई में इस्राएल के द्वारा यर्दन नदी पार करते हुए कनान में प्रवेश, दसवाँ दिन, पहला महीना, इकतालीसवाँ वर्ष।

सीनै पर और जंगल के वर्ष

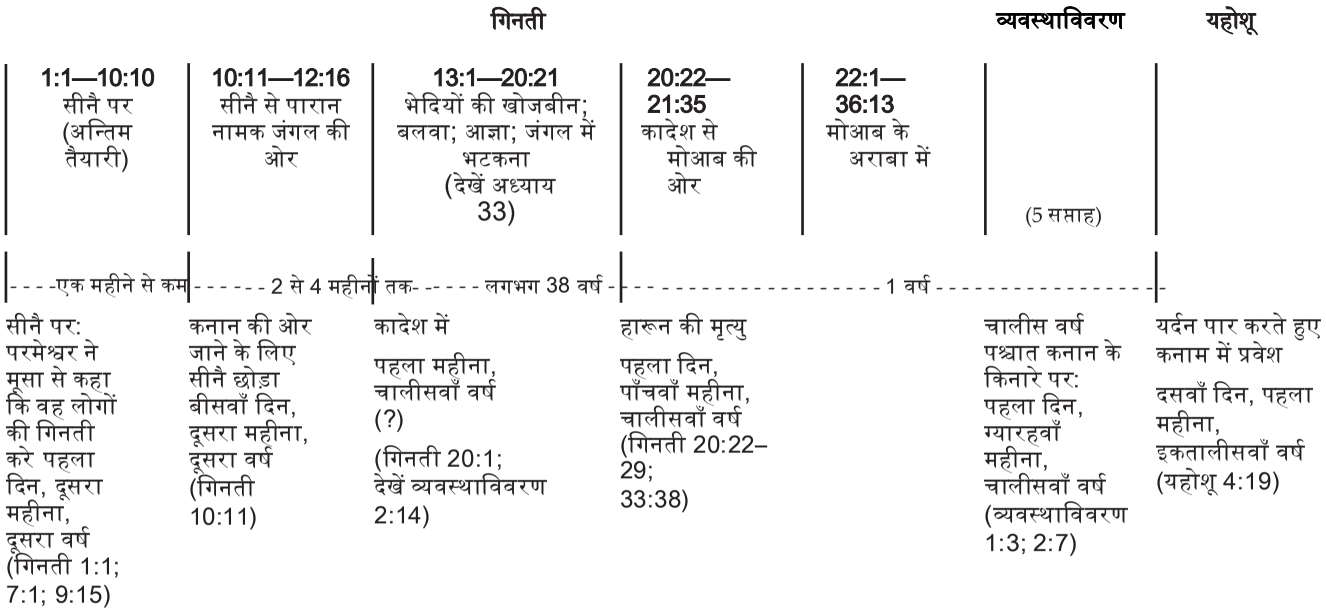

घटनाओं के क्रम के सूचक इस्राएल के मिस्र से पहले वर्ष के पहले महीने के पन्द्रहवें दिन निकलने के साथ आरम्भ करते हैं (निर्गमन 12:6, 18; गिनती 33:3)। दूसरे महीने के पन्द्रहवें दिन को वे सीन नामक जंगल में आए (निर्गमन 16:1)। फ़िर वे पहले वर्ष के तीसरे महीने के पन्द्रहवें दिन सीनै तक पहुँचे (निर्गमन 19:1, 2)। दूसरे वर्ष के पहले महीने के पहले दिन निवासस्थान खड़ा किया गया (निर्गमन 40:17; देखें गिनती 7:1, 10; 9:15)। गिनती 9:1–5 में, निवासस्थान खड़ा करने के बाद फसह मनाने के विषय में एक ऐतिहासिक विवरण दिया गया है। (फसह मनाने के प्रारूप के लिए देखें 9:10, 11।) इस चार्ट में छः अतिरिक्त सूचक दिए हुए हैं।

गिनती 23 और 24 में परमेश्वर की ओर से इस्राएल को आशीर्वाद देते हुए बिलाम की चार वाणियां

पवित्रशास्त्र सन्दर्भ	*स्थान*	*एक क्रियाविधि के द्वारा पहले नबूवत हुई*	*बालाक की निराशा के कारण नबूवत का परिणाम*	*नबूवत के परिणामस्वरूप बिलाम की यह घोषणा कि वह मात्र परमेश्वर के ही शब्द बोल सका*
23:7–10	किर्यथूसोत के निकट बाल के ऊँचे स्थानों पर (22:39–41; देखें NIV)	23:1–4*	23:11	23:12
23:18–24	सोपीम नामक मैदान में पिसगा के सिरे पर (23:14)	23:14	23:25	23:26
24:3–9	पोर के सिरे पर (23:28)	23:29, 30*	24:10	24:12, 13
24:15–24	तीसरी वाणी के समान			

*बिलाम के द्वारा दिए निर्देशों के अनुसार बालाक ने इन स्थानों पर वेदियाँ बनाई।

गिनती 23 और 24 में बिलाम की वाणियों में परमेश्वर के वायदे फ़िर से नए कर दिए गए

	गिनती में बिलाम की वाणियाँ	*परमेश्वर के वायदे*
1	इस्राएल “एक ऐसी जाति हो जो अकेली बसी रहती है” (23:9c)।	“सब लोगों में से तुम [इस्राएल] ही मेरा निज धन ठहरोगे” (निर्गमन 19:5b; देखें निर्गमन 33:16)।
	“याकूब के धूलि के किनके को कौन गिन सकता है?” (23:10a)।	“मैं तेरे [अब्राहम के] वंश को पृथ्वी की धूल के किनकों के समान बहुत करूँगा” (उत्पत्ति 13:16a; देखें उत्पत्ति 22:17)।
2	“वह [परमेश्वर] [इस्राएल को] आशीष दे चुका है” (23:20b)। 22:17). “परमेश्वर उसके [इस्राएल के] संग है” (23:21c)।	“मैं तुझे [अब्राहम को] आशीष दूँगा” (उत्पत्ति 12:2b; देखें उत्पत्ति “मैं . . . [इस्राएल के] मध्य निवास करूँगा” (निर्गमन 29:45, 46; देखें निर्गमन 25:8; लैव्यव्यवस्था 26:11, 12)।
	“सुन, वह दल सिंहनी के समान उठेगा, और सिंह के समान खड़ा होगा; वह तब तक न लेटेगा जब तक अहेर को न खा ले. . .” (23:24)।	“तुम्हारे [इस्राएल के] शत्रु तलवार से तुम्हारे आगे आगे मारे जाएँगे” (लैव्यव्यवस्था 26:7, 8b)।
3	“ . . . तेरे निवासस्थान क्या ही मनभावने हैं! वे तो घाटियों के समान और नदी के तट की वाटिकाओं के समान ऐसे फैले हुए हैं, जैसे कि यहोवा के लगाए हुए अगर के वृक्ष, और जल के निकट के देवदारु” (24:5, 6)।	इस्राएल एक ऐसे देश में लाया जाएगा “जिसमें दूध और मधु की धाराएँ बहती हैं” (निर्गमन 3:8), एक ऐसा देश जिसकी “भूमि अपनी उपज उपजाएगी, और मैदान के वृक्ष अपने अपने फल दिया करेंगे” (लैव्यव्यवस्था 26:4)।
	“जो कोई तुझे आशीर्वाद दे वह आशीष पाए, और जो कोई तुझे शाप दे वह शापित हो” (24:9b)।	“जो तुझे [अब्राहम को] आशीर्वाद दें, उन्हें मैं आशीष दूँगा; और जो तुझे कोसे, उसे मैं शाप दूँगा” (उत्पत्ति 12:3a; देखें उत्पत्ति 27:29)।
4	“याकूब में से एक तारा उदय होगा, और इस्राएल में से एक राज दण्ड उठेगा” (24:17b)।	“तेरे [अब्राहम के] वंश में राजा उत्पन्न होंगे” (उत्पत्ति 17:6b; देखें उत्पत्ति 12:3; 49:10)।

गिनती 28 और 29 में आवश्यक बलियाँ[1]

अवसर	*दिनाँक*[2]	*आयतें*	बछड़े	*होमबलियाँ* मेढ़े	नर भेड़	*पापबलि* बकरा
प्रतिदिन	प्रत्येक	28:3–8			2	
(भोर को, गोधूलि के समय)	दिन					
साप्ताहिक	प्रत्येक सब्त के दिन	28:9, 10			2	
(सब्त)						
मासिक	प्रत्येक	28:11–15	2	1	7	1
(नया चाँद)	नया चाँद					
वार्षिक फसह[3]	1/14	28:16				
और						
अखमीरी रोटी	1/15	28:17–25	2	1	7	1
	1/16	28:17–25	2	1	7	1
	1/17	28:17–25	2	1	7	1
	1/18	28:17–25	2	1	7	1
	1/19	28:17–25	2	1	7	1
	1/20	28:17–25	2	1	7	1
	1/21	28:17–25	2	1	7	1
वार्षिक	तीसरा					
इन सप्ताहों में (पहली उपज)	महीना	28:26–31	2	1	7	1
(पिन्तेकुस्त, फूलों के बाद 50 दिन)						
वार्षिक नरसिंगा फूँकने का पर्व (नव वर्ष)	7/1	29:1–6	1	1	7	1
वार्षिक प्रायश्चित के दिन	7/10	29:7–11	1	1	7	1

वार्षिक झोंपड़ियाँ का पर्व	7/15	29:12–16	13	2	14	1
(तम्बूओं का पर्व, बटोरने का पर्व)	7/16	29:17–19	12	2	14	1
	7/17	29:20–22	11	2	14	1
	7/18	29:23–25	10	2	14	1
	7/19	29:26–28	9	2	14	1
	7/20	29:29–31	8	2	14	1
	7/21	29:32–34	7	2	14	1
	7/22	29:35–38	1	1	7	1

[1]यह चित्र पट रोय जेन, *लेविटिकस, नम्बर्स,* द NIV एप्लिकेशन कमेन्ट्री (ग्रान्ड रेपिड्स, मिशिगन: जोनडर्वन, 2004), 752–53; गोर्डन जे. वेनहेम, *नम्बर्स,* द टिन्डेल ओल्ड टेस्टामेन्ट कमेन्ट्रीज़ (डाउनर्स ग्रोव, इलिनोय: इन्टर-वर्सिटी प्रेस, 1981), 197; और विक्टर पी. हेमिल्टन, *हेन्डबुक ओन द पेन्टाट्युक: जेनेसिस—ड्युट्रोनोमी* (ग्रान्ड रेपिड्स, मिशिगन: बेकर बुक हाऊस, 1982), 367–68 में सूचीपत्रों से लिया गया.

[2]ये दिनाँक इब्रानी कलेन्डर के अनुसार हैं.

[3]गिनती 28 और 29 में सूचीबद्ध आवश्यक बलियों में स्वयं फसह का मेम्ना शामिल नहीं किया गया.

अन्य आयतें जो बलियों के लिए पंचग्रन्थ में गिनती 28 और 29 में सूचीबद्ध की गईं

	निर्गमन	लैव्यव्यवस्था	गिनती	व्यवस्थाविवरण
नित्य बलि	29:38–42		28:3–8	
साप्ताहिक सब्त बलि	23:12; 34:21	23:1–3	28:9, 10	
मासिक बलि (नया चाँद)			28:11–15	
फसह के समय की बलि और अखमीरी रोटी का पर्व	23:15; 34:18–20, 25	23:5–14	28:16–25	16:1–8
सप्ताहों के पर्व के समय की बलि	23:16a; 34:22a, 26	23:15–21	28:26–31	16:9–12
(पिन्तेकुस्त, पहली उपज)		23:23–25	29:1–6	
तुरहियों के पर्व के समय की बलि (नव वर्ष)				
प्रायश्चित के दिन की बलि		16:1–34; 23:26–32	29:7–11	
झोंड़ियों के पर्व के समय की बलि (तम्बूओं का पर्व, बटोरन का पर्व)	23:16b; 34:22b	23:33–43	29:12–38	16:13–15; 31:10

इब्रानी कलेन्डर

महीने की संख्या		*इब्रानी नाम*	*आधुनिक समानार्थी*	*पर्व*	*कृषि*
पवित्र क्रम	*नागरिक क्रम*				
1				बसन्त	बसन्त (पश्चात) बारिश; जौ और सन
	7	नीसान (आबीब)	मार्च–अप्रेल	फ़सह अखमीरी रोटी	की कटाई का समय आरम्भ होता है
2	8	इय्यर (जीव)	अप्रेल–मई		जौ की कटाई का समय; सूखा मौसम आरम्भ होता है
3	9	सीवान	मई–जून	सप्ताह (पिन्तेकुस्त, पहली उपज)	गेहूँ की कटाई
4	10	तम्मूज	जून–जुलाई		अँगूरों की पैदावार
5	11	अब	जुलाई–अगस्त		अँगूर, अँजीर और जैतून का पकना
6	12	एलूल	अगस्त–सितम्बर		अँगूर, अँजीर और जैतून से रस निकालना
7	1	तिशरी (एतानीम)	सितम्बर–अक्टूबर	तुरही प्रायश्चित्त का दिन झोंपड़ियाँ (तम्बू)	शरद (की शुरुआती) बारिश आरम्भ होती है; जुताई का समय
8	2	मार्चेशवन (बूल)	अक्टूबर–नवम्बर		गेहूँ और जौ बोना
9	3	किसलेव	नवम्बर–दिसम्बर	हनुक्काह (समर्पण)	शरद की बारिश आरम्भ होती है; कुछ क्षेत्रों में बर्फ़ गिरती है
10	4	तेबेत	दिसम्बर–जनवरी		
11	5	शबात	जनवरी–फ़रवरी		
12	6	अदार	फ़रवरी–मार्च	पूरीम	बादाम के पेड़ खिलते हैं; खट्टे फ़लों की कटाई
		अदार शेनी (दूसरा अदार)	*प्रत्येक तीन वर्ष के समय के बाद यह महीना जोड़ा जाता था जिससे चन्द्र कलेन्डर, सूर्य वर्ष के अनुसार चले।*		